माहेश्वर सूत्रों की उत्पत्ति

डॉ. राम किशोर

सहायक आचार्य (योग)

स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज,

छत्रपति शाहू जी महाराज, विश्वविद्यालय, कानपुर

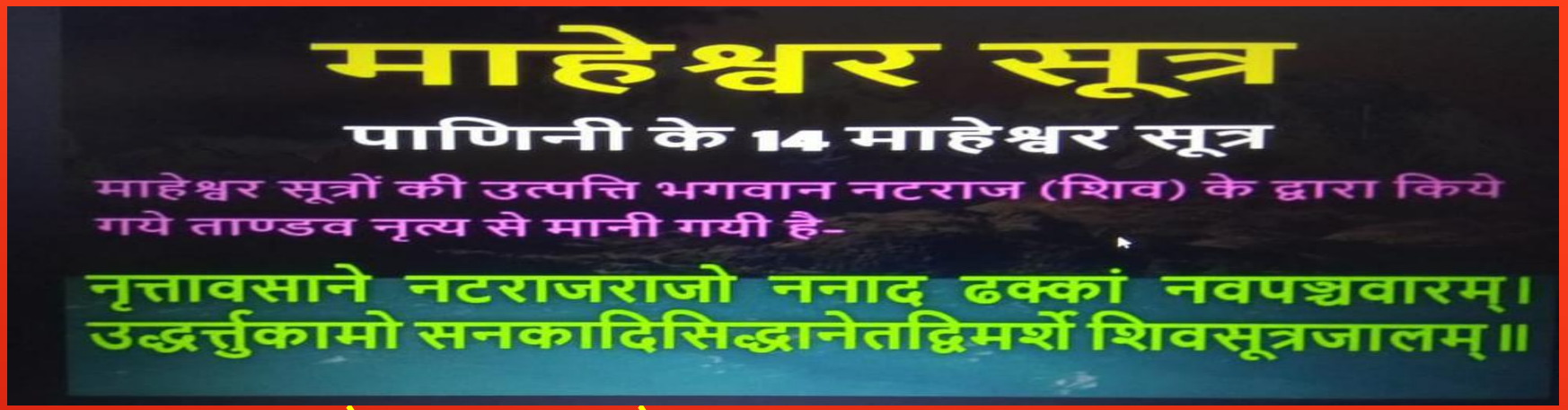

वृत्तावसाने नटराजराजो, ननाद ढक्कां नव पंचवारम्।।
उद्धर्तुकामः सनकादि सिद्धान् एतद् विमर्शे शिवसूत्रजालम्।।

सनकादि : सनत्, सनन्दन, सनातन और सनदकुमार चार ऋषि

एक बार नटराज शिव ताण्डव नृत्य कर रहें थे, तब उन्होंने नृत्य के अवसान में 14 बार अपने डमरु को बजाया, जिससे 14 माहेश्वर सूत्रों की उत्पत्ति हुई। भगवान शिव के डमरु से उत्पन्न होने के कारण इन्हें शिवसूत्र, शिव प्रसाद, माहेश्वर सूत्र, शिवसूत्र जाल आदि नामों से जाना जाता हैं।

छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर
आरोह तमसो ज्योति
CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY KANPUR

THANKS